कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या...

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [ ] अंग्रेजी [✓]

विषय ..... सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन...

दिनांक ...

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14			
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1.	अशोक के रुम्मनदेई अभिलेख से अशोक द्वारा किये गये कर में कमी ~~का~~ ~~की अवलोकियों का~~ की पता चलता है।
2.	जयपुर का जंतर-मंतर सवाई जय सिंह द्वारा निर्मित पाँच वेधशालाओं में सबसे बड़ी वेधशाला है।
3.	संसदात्मक शासन व्यवस्था अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था
4. (1) (2)	इंटरनेट से विदेशों में रहने वाले मित्रों-परिचितों को कुछ ही समय में संदेश पहुँचाया जा सकता है। इंटरनेट से वीडियो-कान्फ्रेंसिंग भी की जा सकती है।
5.	एक वर्ष में ~~उत्पा~~ सभी साधनों द्वारा उत्पादन प्रक्रिया में योगदान के फलस्वरूप अर्जित आय का योग राष्ट्रीय आय कहलाती है।
6.	भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक है।
9.	प्राथमिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों का सीधा उपयोग करने वाली गतिविधियाँ जैसे- कृषि तथा खनन आदि सम्मिलित की जाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	~~8.~~	~~किसी भी वस्तु के मूल्य की निश्चित~~
	8.	किसी भी वस्तु का निश्चित मूल्य जो साधरतया परिवर्तित नही होता है।
	9.	कोई व्यक्ति जो काम करने का इच्छुक हो तथा पर्याप्त योग्यता रखता हो, उसे कोई रोजगार नही मिलता तो उसे बेरोजगारी कहते हैं।
	10.	1668 ई. में
	11.	एक जागरूक नागरिक होने के नाते हम उच्च न्यायालय के लिए निम्न स्वतंत्रताओं की अपेक्षा करते है- साधरणतया कुछ बड़े विवादों के निपटारा के लिए लोगों को परेशान होना पड़ता है, तो ऐसे मामलों का निपटारा उच्च न्यायालय में ही किया जाये। लोगों को उचित तथा सच्चा न्याय मिले।
	12.	टांका पश्चिमी राजस्थान में जल सरंक्षण की एक परंपरागत विधि है। इसमें जमीन में मीटर गहरा गढ्ढा खोदा जाता है, और उसमें 5-6 घरों की छतों, अगोर आदि से आने वाले वर्षा के पानी का सरंक्षण किया जाता है। इसके अन्दर राख व बजरी का लेप किया जाता है। योजना - मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13. वे फसलें जो धन कमाने के उद्देश्य से या व्यापार करने के उद्देश्य से उगायी जाती है, व्यवसायिक फसलें कहलाती हैं।
जैसे:- गन्ना, कपास, जूट तथा तम्बाकू आदि।

14. धात्विक खनिज दो प्रकार के होते हैं-
(i) लौह धातु प्रधान ⇒ लौह अयस्क, मैंगनीज आदि।
(ii) अलौह धातु प्रधान ⇒ चाँदी, अभ्रक, सोना आदि।

15. औद्योगिक प्रदूषण से वातावरण प्रदूषित होता है, उद्योगों से निकलने वाली हानिकारक गैसें श्वाँस सम्बन्धि कई समस्याओं का कारण बनती हैं।
औद्योगिक प्रदूषण से जल प्रदूषण होता है, जो अनेक बिमारियों का कारण है।

16. जन्म दर ⇒ किसी निश्चित स्थान, देश या राज्य मे प्रत्येक 100 बच्चों पर होने वाली बच्चों की संख्या जन्मदर कहलाती है।

मृत्युदर ⇒ किसी निश्चित स्थान पर प्रत्येक 100 व्यक्तियों पर होने वाली व्यक्तियों की मृत्यु, मृत्यु दर कहलाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

17. पाइपलाइन परिवहन

पाइपलाइन परिवहन एक नया परिवहन का साधन है। पहले इससे केवल जल का ही परिवहन होता था, परन्तु आज इस परिवहन के माध्यम से अनेक पदार्थों जैसे- तेल, पेट्रोल तथा अन्य तरल पदार्थों का यातायात सुदूर क्षेत्रों को किया जाता है। अनेक ठोस पदार्थों को तरल अवस्था में परिवर्तित कर पाइपलाइनों के माध्यम से परिवहन किया जाता है। इसको लगाने की प्रारंभिक लागत अधिक आती है किन्तु चलाने की लागत बहुत कम होती है।

18. सड़क पर पैदल चलते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए:-

फुट ओवरब्रिज का प्रयोग करना चाहिए।
जिब्रा क्रॉसिंग का ही उपयोग करना चाहिए।
सड़क पार करते समय चारों तरफ देखकर ही सड़क पार करनी चाहिए।
बच्चों का हाथ पकड़े रहना चाहिए, उन्हें अकेले नहीं छोड़ना चाहिए।

19. ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट जैसे:- अस्पतालों का कचरा, उद्योगों का कचरा, घरेलू अपशिष्ट, सब्जियों के छिलके आदि अपशिष्टों का अलग-अलग भण्डारण करना तथा अपशिष्टों को बन्द डिब्बों में रखना, जैव निम्नीकरणीय तथा अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का अलग-अलग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

निस्तारण करना आदि अनेक बातें समझ में आती है। इन बातों का ध्यान रखकर पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण को कम कर सकते हैं।

20. अगर हम्मीर देव चौहान के स्थान पर हम होते तो अलाउद्दीन खिलजी के बागियों के प्रति कठोर नीति अपनाते। उन्हें जीवित नही जाने देते। हम्मीर ने तो यश के कारण मौनव्रत धारण किया हुआ था परन्तु हम चुप नही रहते और उन दुश्मनों के टुकड़े-टुकड़े कर देते, जिन्हें देखकर अलाउद्दीन भी डर जाता। परन्तु हम भारतीय तथा हिन्दू होने के कारण बिना किसी कारण ही किसी को भी नही मारते हैं, हम उन बागियों की जगह सीधा अलाउद्दीन पर चढ़ाई करते तथा उसे नष्ट कर देते। उसकी सल्तनत हमारे कब्जे में कर लेते। जिस प्रकार अलाउद्दीन ने हम्मीर पर छिपकर वार किया हम उसे ऐसा करने का मौका ही नही देते और उसके खिलाफ जंग छेड़कर उसे परास्त कर देते। अलाउद्दीन ने धोके से हम्मीर पर वार किया अर्थात महल में खाने-पीने के सामान की कमी कर दी थी, अगर हम होते तो उसे इस गुस्ताखी के लिए मृत्यु से भी बदतर सजा देते। हम्मीर भी हमारी यादों में हमेशा रहेंगे, उनकी वीरता तथा शौर्य के कारण।

हम लौह तथा रक्त की नीति का भी प्रयोग करते।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

21. मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन

मौर्यकाल में प्रशासन कौटिल्य के अनुसार सात अंग थे- राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना और मित्र। केन्द्रीय प्रशासन को 8 भागों में बाँटा गया था।

केन्द्रीय प्रशासन:-

राजा ⇒ राजा शासन का सर्वोच्च समाना जाता था। राज्य की सारी शक्तियाँ राजा में ही निहित होती थी, परन्तु फिर भी वह निरंकुश नहीं होता था।

अध्यक्ष:-

सन्निधाता :- सन्निधाता (कोषाध्यक्ष) का कार्य राज्य के विभिन्न भागों में कोषगृह तथा अन्नागार बनवाना, आय-व्यय का ब्यौरा रखना तथा वार्षिक बजट तैयार करना था।

कौटिल्य के अनुसार 26 विभागों का उल्लेख मिलता है, जिनमें से प्रमुख है:-
पण्याध्यक्ष, लूणाध्यक्ष, विविताध्यक्ष, पौतवाध्यक्ष, लक्षणाध्यक्ष, बंधनागाराध्यक्ष तथा आटविक इत्यादि।

22. मेजिनी ने इटली के एकीकरण के लिए 'यंग इटली' नाम की एक संस्था की ~~संस्था~~ स्थापना 1810 ई. में नेपल्स में की। मेजिनी ने इटली के एकीकरण के लिए खूब प्रयास किये। इटली के एकीकरण में मेजिनी का विशेष योगदान है। मेजिनी का कहना था की यदि समाज में क्रांति लानी है तो नेतृत्व नवयुवकों के हाथ में दो, उनके हृदय में असीम शक्ति छिपी होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मेजिनी से सदैव युवाओं को क्रांति के लिए प्रेरित किया। युवाओं को अपने राष्ट्र के एकीकरण के लिए प्रोत्साहित किया। क्योंकि उसके मत में युवा ही आज के आधुनिक समय के विकास की सीढ़ी है। मैजिनी ने गेरीबाल्डी के साथ मिलकर भी इटली के एकीकरण में सहयोग किया।

Q3. सामाजिक लोकतंत्र के लिए निम्न दशाएँ आवश्यक है:-
सामाजिक लोकतंत्र के लिए समाज में समानता हो व्यक्तियों के बीच धर्म, भाषा, लिंग, जाती, रंग आदि के ~~स्थान पर का~~ कारण कोई भेदभाव न हो।
सभी व्यक्तियों को व्यक्तियों के रूप मे समान समझा जाये।
एक सामाजिक लोकतंत्र वही हो सकता है, जहाँ सभी लोगों के बीच समानता की भावना हो।
जहाँ उदारवाद की महत्ता हो तथा व्यक्तिवादीता हो।
सामाजिक लोकतंत्र के लिए समाज की अनुकूल भौतिक दशाएँ हो।
व्यक्तियों में समरसता की भावना हो तथा सभी व्यक्ति अपने साथी व्यक्तियों से प्रेम से बात करे / व्यवहार करे।
समाज के एक प्रकार के रूप मे लोकतंत्र को ही सामाजिक लोकतंत्र कहते हैं अतः सामाजिक लोकतंत्र के लिए समाज का अनुकूल होना महत्वपूर्ण तत्व है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

24. (i) भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है- क्योंकि यहाँ उद्योगों का पूर्ण विकास नही हुआ है, यह अभी भी उन्नत अवस्था में है।

(ii) भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार उद्योगों का विकास हो रहा है, यहाँ अनेक प्रकार के नये सामानों का उत्पादन किया जा रहा है।

(iii) भारत में वैज्ञानिक गतिविधियों में वृद्धि हुयी है तथा अनेक वैज्ञानिक हर समय किसी न किसी नयी खोज में लगे हुए है। एक दिन भारत देश दुनियाँ का सबसे बड़ा विकसित देश बन जाएगा।

(iv) भारत में ग्रामीण क्षेत्रों का विकास भी उन्नत अवस्था में है; वहाँ छोटे छोटे उद्योग स्थापित करके लोगों को प्रशिक्षण तथा रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

25. मुद्रा => व्यक्ति वस्तु या सेवा के बदले जो भुगतान करता है उसे मुद्रा कहा जाता है।

मुद्रा के कार्य =>

(i) अर्थव्यवस्था की संरचना में परिवर्तन => मुद्रा से अर्थव्यवस्था की संरचना में परिवर्तन हुआ है। मुद्रा के कारण व्यापार सुगम हो पाया है। मुद्रा से व्यापार करना सुविधाजनक तथा सुरक्षित रहता है। मुद्रा की सहायता से अनेक व्यवसायों में लाभ की प्रवृत्ति देखने को मिलती है।

क्षक द्वारा दत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	मुद्रा से विनिमय सरल व सुगम हो गया है। क्योंकि जिस वस्तु को हम चाहते हैं, उसके लिए मुद्रा से निश्चित भुगतान कर सकते हैं।
	(iii)	मुद्रा का भण्डारण भी आसानी से किया जा सकता है, जिससे लोगों को काफी सुविधा होती है।
	26.	उपभोक्ता का शिक्षित नहीं होना।
	(i)	वस्तु पर अंकित किये अनुसार गुणवत्ता नहीं होना।
	(ii)	जान-बूझकर वस्तु के दोष को छिपाया जाना तथा बाद में उपभोग करने पर दोष का पता लगना।
	(iii)	वस्तु के क्रय की संविदा / बिल आदि प्राप्त नहीं करना।
	27.	श्यामजी कृष्ण वर्मा => श्यामजी कृष्ण वर्मा ने लन्दन में स्वराज्य समिति की स्थापना की। श्यामजी कृष्णवर्मा ने विदेश में रहकर वहाँ रहने वाले तथा भारतीयों को सम्बोधित किया। उन्होंने लोगों को अपनी स्वतंत्रता से लड़ने के लिए प्रेरित किया। वे लोगों को स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने जगह-जगह भाषण तथा आन्दोलनों द्वारा लोगों में जन चेतना उत्पन्न की। लोगों को अंग्रेजों का बहिष्कार करने तथा अंग्रेजों को हमारे देश से बाहर निकालने के लिए प्रोत्साहित किया। वे जन चेतना के माध्यम से लोगों में देशप्रेम की भावना का विकास करते थे तथा लोगों में जन-जागृति उत्पन्न करते थे।

BSER-163/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विनायक दामोदर सावरकर =>
वीर सावरकर कहे जाने वाले विनायक दामोदर सावरकर महाराष्ट्र प्रान्त के रहने वाले थे। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किये। वे एक महान क्रांतिकारी, बलिदानी देशभक्त थे। उन्होंने — ई. में अभिनव भारत की स्थापना की। उन्होंने 1906 एक पुस्तक लिखी "वार ऑफ इण्डियन इण्डिपेण्डेंस" जो ब्रिटीश सरकार ने जप्त कर ली। यह पुस्तक विभिन्न शीर्षकों के माध्यम से भारत आयी। वीर सावरकर को एक जन्म की नही बल्की दो जन्मों की आजीवन कारावास की सजा दी गयी।
उन्होंने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया तथा स्वदेशी उत्पाद अपनाने पर बल दिया।
उन्हें अदन (अरब देश) की जेल में बन्द रखा गया।
इस प्रकार वीर सावरकर ने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

8. राष्ट्रपति की कार्यपालिका एवं विधायी शक्तियाँ।

(i) विभिन्न अधिकारियों की नियुक्ति: राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के परामर्श पर अन्य अधिकारियों की नियुक्ति करता है।

(ii) सेना का प्रधान => राष्ट्रपति तीनों सेनाओं का प्रधान सेनापति होता है। वह सेनाओं का नियंत्रण तथा संचालन करता है।

द्वारा अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

1. विधायी शक्तियाँ => देश की सम्पूर्ण शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है। राष्ट्रपति ही केन्द्र का प्रमुख होता है। प्रमुख शक्तियाँ राष्ट्रपति में ही निहित होती है। वही वित्त सम्बंधी शक्तियों का संचालन करता है।

(i) वित्तीय शक्ति => देश की वित्तीय शक्ति राष्ट्रपति के हाथों मे ही निहित होती है। देश की सम्पत्ति पर राष्ट्रपति का ही अधिकार होता है। वित्त संबंधी निर्णय राष्ट्रपति के द्वारा ही लिये जाते है। संसद के दोनों सदनों से पास होकर कोई वित्तीय प्रोजेक्ट राष्ट्रपति के पास ही आता है। अगर राष्ट्रपति उस प्रस्ताव को वापस लौटाता है, और संसद उसे वापस राष्ट्रपति के पास भेजती है, तो राष्ट्रपति को उस पर हस्ताक्षर करने ही होते ही हैं।

(ii) संविधान संसोधन की शक्ति => राष्ट्रपति के पास संविधान संसोधन की शक्ति होती है। वह अपनी इच्छानुसार संविधान में परिवर्तन कर सकता है। वह संविधान तथा कानून निर्माण कर भी सकता है। तथा जरूरत पड़ने पर उन्हें हटा भी सकता है। तथा कानून में परिवर्तन भी कर सकता है।

(iii) न्यायपालिका सम्बन्धि शक्ति => राष्ट्रपति न्यायपालिका का प्रधान होता है। वह न्यायाधीशों द्वारा उचित कार्य न किये जाने पर उन्हें हटा सकता है। राष्ट्रपति के पास एक अन्य शक्ति होती है, वह किसी व्यक्ति की मृत्युदण्ड की सजा को माफ या कम कर सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

29. विधान परिषद् की शक्तियाँ =>

(i) वित्तीय शक्ति => राज्य की वित्तीय शक्तियाँ विधान परिषद के अन्तर्गत ही आती है। राज्यपाल के पास विधानपरिषद् से सम्बंधित शक्तियाँ होती है। राज्य की आंशिक सम्पत्ति पर उसका ही अधिकार होता है।

(ii) विधायी शक्तियाँ => विधानपरिषद के पास विधायी शक्तियाँ भी होती है। वह इनका उपयोग जरुरत पड़ने पर कर सकती है। विधायी शक्तियाँ मूल रूप से राज्यपाल के पास होती है। राज्यपाल राज्य का राष्ट्रपति के समान होता

(iii) संविधान संशोधन संबंधि शक्ति => विधान परिषद संविधान संशोधन कर सकती है। वह संविधान में परिवर्तन कर सकती है। कोई संविधान जो जनता के अनुकूल नही है, उसे बहुमत द्वारा हटाया या परिवर्तित किया जा सकता है

(iv) कानून निर्माण संबंधि शक्ति => यह कानून निर्माण कर सकती है। तथा कानूनों को परिवर्तित भी कर सकती है। यह विभिन्न कानूनों में परिवर्तन भी कर सकती है।

(v) अन्य शक्तियाँ => विधान परिषद् के पास अनेक और शक्तियाँ होती है, वह उन्हें समय-समय पर उपयोग कर सकती है। तथा जरुरत पड़ने पर ही उनका उपयोग तथा उन्हें हटा सकती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

28. संसद के कार्य एवं शक्तियाँ =>

विधायी शक्तियाँ => संसद के पास विधायी शक्तियाँ होती है। वह विधायी शक्तियों का उपयोग समय-समय पर करती है। वह इन शक्तियों के माध्यम से राज्य में शासन व्यवस्था बनाये रखती है।

वित्तीय शक्तियाँ => संसद के पास भी वित्तीय शक्तियाँ होती है। संसद के दोनों सदनों में से लोकसभा के पास इस शक्ति का बहुमत होता है। राज्य की वित्त संबंधी समस्याओं को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित कर हल किया जाता है। वित्त सम्बन्धी शक्तियों का उपयोग राज्य में होने वाली वित्त संबंधी समस्याओं को हल करने में होता है।

संविधान संशोधन संबंधि शक्ति => संसद के दोनों सदनों के सदस्य मिलकर प्रस्ताव पारित कर संविधान में संशोधन कर सकते है। दोनो सदनों के बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव से संविधान में परिवर्तन या संशोधन किया जाता है। ये दोनों सदन मिलकर संविधान में परिवर्तन कर सकते है।

कानून निर्माण संबंधि शक्तियाँ => संसद को कानून निर्माण संबंधि शक्ति प्राप्त है। संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित प्रतिनिधीयों के बहुमत प्रस्ताव द्वारा कानून का निर्माण किया जाता है। तथा बहुमत द्वारा ही कानूनों में परिवर्तन तथा उन्हें हटाया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

न्यायपालिका संबंधी शक्तियाँ =>

संसद को न्यायपालिका संबंधी शक्ति भी प्राप्त है। संसद के दोनों सदन मिलकर बहुमत द्वारा न्यायाधीश को अपदस्थ कर सकते हैं। लोकसभा तथा राज्यसभा मिलकर न्यायपालिका संबंधी शक्ति का प्रयोग कर सकते हैं।

~~[illegible]~~

BSER 16/3/2018

नामांक Roll No.

P-08-Social Science

प्रवेशिका परीक्षा, 2018

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2018

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

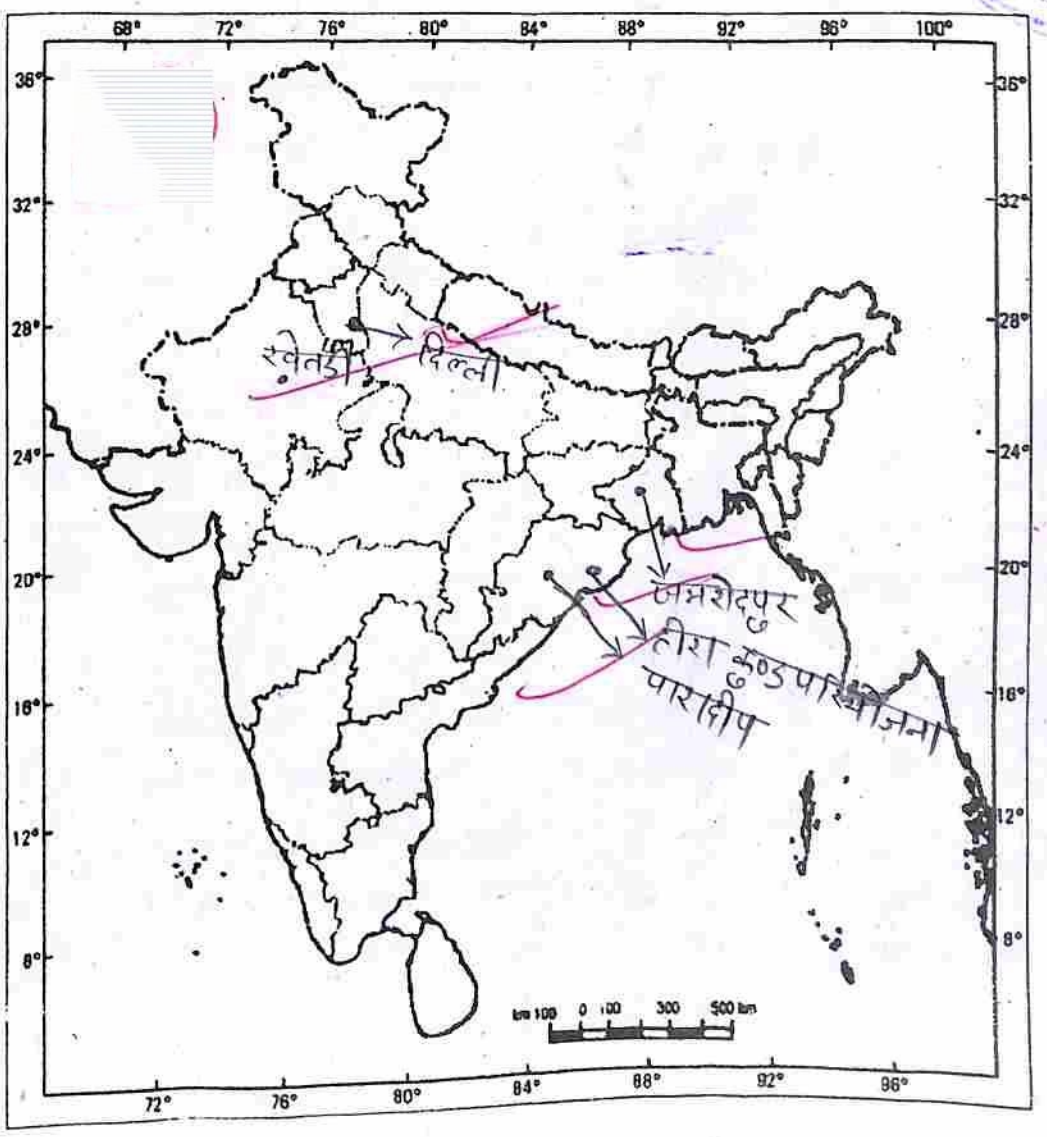

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

समाप्त

BSER-16/2018